DR.MALA KUMARI
ASSISTANT PROFESSOR (GUEST TEACHER)
DEPARTMENT OF PSYCHOLOGY
A.N.D COLLEGE SHAHPUR PATORY,SAMASTIPUR

B.A –PART 2 PSYCHOLOGY (HONS)
PAPER-3 ,UNIT-6,
TYPES OF DISSOCIATIVE DISORDERS
LECTURE-65

लेक्चर-64 का शेष भाग -

मनोविच्छेदी पहचान विकृति

(DISSOCIATIVE IDENTITY DISORDER OR DID)

मनोविच्छेदी पहचान विकृति को पहले बहुव्यक्तित्व विकृति कहा जाता था | DID में एक ही व्यक्ति में दो या दो से अधिक भिन्न व्यक्तित्व अवस्थाएँ पायी जाती है |प्रत्येक अवस्था अपने आप में संवेगात्मक एवं भावात्मक दृष्टीकोण से काफी सुसज्जित एवं संगठित होते है और प्रत्येक व्यक्तित्व तंत्र का अपना अलग विचार एवं संज्ञान होता है | व्यक्ति एक व्यक्तित्व अवस्था में कुछ समय तक रह कर फिर अपने आप दुसरे व्यक्तित्व

अवस्था में चला जाता है | DID में एक ही व्यक्ति में कितने तरह की व्यक्तित्व अवस्था हो सकती है ?इस प्रश्न का उत्तर देने के लिए रोल्स (1989) ने एक अध्ययन किया जिसमे यह देखा गया की औसतन उसकी संख्या 15 तक होती है |अभी हाल में चर्चित 'टुडी चेस' का केश है |जिसमे इस महिला में 92 विभिन्न व्यक्तित्व अवस्थाएँ पायी गयी है |

DID की शुरुआत प्रायः आरंभिक बाल्यावस्था में ही हो जाता है परन्तु इसकी पहचान किशोरावस्था से पहले शायद ही कभी हो पाता है |यह अन्य मनोविच्छेदी रोगों की तुलना में अधिक चिरकालिक एवं गंभीर होता है और इससे पूर्ण मुक्ति शायद ही कभी किसी को होती है |यह रोग महिलाओं में पुरुषों की अपेक्षा कई गुणा अधिक होता है | इस रोग में व्यक्तित्व विभाजन के अतिरिक्त भी कुछ लक्षण पाये जाते है जिनमे विषाद ,बोर्डर रेखीय व्यक्तित्व तथा काया रूप विकृति अधिक सामान्य है |

केस उदाहरण (A CASE EXAMPLE)

DID के कई उदाहरण है 'दी थ्री फेसेज ऑफ़ इभ' जिसे थिग पैन एवं कलेक्ली (1954),सिविल (SYBIL)जिसे स्किवर (1974),डॉक्टर जेकिल एवं मिस्टर हाइड तथा जूली-जेनी-जेरी

जिसे डेविस एवं ओशर सन (1977) द्वारा प्रदत्त किया गया है ,प्रमुख है |

यहाँ हम जूली-जेनी-जेरी वाले कैश उदाहरण को उपस्थित कर रहे है –

‘जूली एक 36 वर्षीय विवाहित महिला थी जिसे एक आठ साल का दत्तक बेटा था जिसका नाम रोडस था स्कूल में बार-बार असफल हो रहा था इस कारण इसे अपने बेटा के उपचार के लिए एक मनोवैज्ञानिक उपचार गृह में आना पड़ा |इसी दौरान कुछ ऐसे संकेत मिले जिसके कारण चिकित्सक को स्वयं जूली के बारे में पता चला की वह स्वयं ही बीमार है |

जूली बहुत ही सहयोगी एवं दुनियादार महिला थी उसे अपने बारे में अच्छा सोच समझ था |चिकित्सा के छठा सत्र के दौरान अचानक वह यह कह कर चिकित्सक को भौचाक्का कर दी की वह चिकित्सा के दौरान किसी अन्य को लाना चाहती है |पहले चिकित्सक यह समझे की बाहर कहीं और कोई इन्तजार कर रहा होगा |परन्तु यह देखा गया की जूली अपना आँख बंद कर ली और थोड़े देर के बाद धीरे-धीरे अपना आँख खोली और भौं ऊपर चढाते हुए अपने मुंह से सिगरेट को निकाल कर उसे बुझाते हुए कही “मैं चाहती हूँ की जूली सिगरेट ना पिए |उसे तम्बाकू के

गंध से घृणा होती है" |उस समय वह अपना नाम जेरी बतलाती है और एक घंटे के बाद उसी तरीके को अपनाते हुए फिर वह अपना नाम जेनी जो एक तीसरा व्यक्तित्व था ,बतलाई |

जेनी यह बतलायी कि 3 बर्ष की आयु में वह जेरी हो गयी थी तथा आठ साल की आयु होने पर वह फिर जुली हो गयी थी |अपने क्षुब्ध पारिवारिक परिस्थिति से उत्पन्न `तनाव से निपटने के लिय दो विभिन्न समयों में वह दो व्यक्तित्व का सृजन की थी |

जेनी यह बताती है की तीन और आठ साल के बीच उसके दैहिक कल्याण की उपेक्षा की गयी थी ,उसके परोसी ने उसका लैंगिक शोषण किया था एवं आठ साल की आयु में उसे माता-पिता ने यह कहकर दूसरो को दे दिया की वह सुधरने लायक नहीं है इसी समय वह जेनी से जूली बन गयी थी |जूली के रूप में उसका व्यक्तित्व सरल था तथा विपरीत परिस्थितियों के साथ निपटने की क्षमता उसमें थी |

जूली –जेनी-जेरी तीनो व्यक्तित्व स्पष्टतः भिन्न थे |जेनी जो मौलिक व्यक्तित्व था ,बहुत ही लजालू डरा-डरा रहने वाला था |यह व्यक्तित्व तीन साल के बच्चो के सामान कभी-कभी

व्यवहार करता था |वह जूली तथा जेरी दोनों व्यक्तित्व के बारे में जानती थी और उसकी उमीद यह थी की जूली तथा जेरी दोनों ही एक दिन मिलकर एक साथ एडम की एक उत्तम माँ बनेगी |

जूली तीनो व्यक्तित्व में सबसे अधिक समन्वित थी |जूली विषम लिंगी थी उसके विपरीत जेरी जूली के विपरीत सम्लिंगी थी | जेरी का रक्त चाप जूली के हमेशा 20 बिंदु अधिक होता था |जेरी को जूली के बारे में पता होता था" |

उपयुक्त केश उदाहरण में एक ही महिला के तीन भिन्न व्यक्तित्व अर्थात जूली-जेनी-जेरी को दर्शाया गया है |लेस्टर 1977 के अनुसार एक महिला के ये तीनो व्यक्तित्व सिर्फ स्मृति के ख्याल से एक दुसरे से भिन्न नहीं थे बल्कि वे एक दुसरे से अच्छा मनोवृति अभिरुचि ,सिखने की क्षमता ,ज्ञान,नैतिकता ,लैंगिक उन्मुक्कता ,बोलने का ढंग ,उवर अक्त चाप ,ह्रदय गति आदि में भी भिन्न थे |

DID के तीन महत्वपूर्ण कारण बतलाये गए है जो निम्नलिखित है -

(I) DID का सबसे बड़ा इकलौता कारण बाल्यावस्था में हुआ दुर्व्यवहार विशेषकर लैंगिक दुर्व्यवहार है |

(II) ऐसे रोगी आत्म-सम्मोहन की प्रति तीव्र उन्मुखता रखने वाले होते है |

(III) क्लुफ्ट (1991) के अनुसार जब व्यक्ति यह पता है की अपने साम्वेगिक समस्याओं से वह निपटने में आत्म सम्मोहन के माध्यम से नया व्यक्तित्व का सृजन कर सफल हो जाता है तो भविष्य में भी जब उसे किसी ऐसी साम्वेगिक समस्या का सामना करना परता है ,तो वह उसका समाधान फिर एक नया व्यक्तित्व पहचान बना कर लेता है |उस तरह से एक ही व्यक्ति में कई स्वतंत्र व्यक्तित्व पहचान उत्पन्न होकर DID उत्पन्न कर देते है |

DID का उपचार निम्नांकित दो तरह की चिकित्सा से किया जाता है –

(i) संज्ञानात्मक चिकित्सा – इस तरह की चिकित्सा में चिकित्सक रोगी को सम्मोहन विधि द्वारा उपचार करता है |

(ii) मनोगतिकी चिकित्सा –इस तरह की चिकित्सा में चिकित्सक सबसे पहले रोगी को अपनी समस्या से अवगत कराने की कोशिश करता है| इसके लिए वह सम्मोहन का सहारा लेता है

और रोगी को सम्मोहित अवस्था में लाकर उसके विभिन्न व्यक्तित्व पहचानो से अवगत कराया जाता है और प्रत्येक को स्वतंत्र होकर बोलने के लिए भी कहा जाता है |जब रोगी अपने विभिन्न स्वतंत्र पहचानो से अवगत हो जाता है तो चिकित्सक उसे समझने की कोशिश करता है की उनका एक शरीर है और एक सिर है जिसमे विभिन्न तरह के व्यक्तित्व का होना नामुमकिन है |

स्पष्ट हुआ की DID के कई कारण है तथा इसके उपचार में संज्ञानात्मक चिकित्सा तथा मनोगतिकी चिकित्सा का उपयोग किया गया है |

व्यक्तित्व लोप विकृति

व्यक्तित्वलोप विकृति एक ऐसी विकृति है जिसमे व्यक्ति का आत्मन का प्रत्यक्षण या अनुभव इस हद तक बदला रहता है की उससे पृथक्करण का भाव उत्पन्न होता है |व्यक्ति अपने आप को यंत्रवत चलने वाला प्राणी समझने लगता है |उसे यह महसूस होता है की वह स्वपन्न की दुनिया में रह रहा है |उसे अनुभव होता है की वह मानसिक प्रक्रियाओं एवं शारीरिक

प्रक्रियाओं का एक बाहरी प्रेक्षक बनकर उसका प्रेक्षण कर रहा है |इसमें रोगी को संवेदी भ्रामक ,भावात्मक अनिक्रियाओं की कमी ,अपनी ही क्रियाओं पर नियंत्रण खोने का भाव आदि होते पाया गया है |

स्पष्ट हुआ की मनोविच्छेदी विकृति के कई प्रकार है |इन सभी प्रकारों में DID तुलनात्मक रूप से अधिक सामान्य है |